



## निदेशकों की रिपोर्ट 2004-2005

1. 31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष के तुलन-पत्र एवं लाभ-हानि लेखा सहित बैंक की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए निदेशक मंडल को प्रसन्नता हो रही है।

### 2. निष्पादन की एक झलक

2.1. वित्तीय वर्ष 2004-05 के दौरान बैंक के समग्र कारोबार ने रु. 45,000 करोड़ का एक अन्य मील का पत्थर पार कर लिया। बैंक का कुल कारोबार 23.46 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज करते हुए रु. 8698.89 करोड़ की वृद्धि के साथ वर्ष 2003-04 के रु. 37080.65 करोड़ से बढ़कर रु. 45,779.54 करोड़ हो गया।

2.2. बैंक की कुल जमा राशियाँ 17.43 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज करते हुए रु. 4,042.23 करोड़ की वृद्धि के साथ यथा 31 मार्च, 2004 के रु. 23190.93 करोड़ से बढ़कर यथा 31 मार्च, 2005 को रु. 27,233.16 करोड़ हो गई हैं।

2.3. बैंक ने ऋण जोखिम प्रबंधन संबंधी अपनी नीति के अनुरूप गुणवत्तायुक्त ऋण आस्तियों का विस्तार करने में अपना विवेकपूर्ण दृष्टिकोण बनाए रखा। बैंक का अग्रिम 33.53 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज करते हुए रु. 4656.66 करोड़ की वृद्धि के साथ यथा 31, मार्च 2004 के रु. 13,889.72 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च, 2005 को रु. 18,546.38 करोड़ हो गया। वर्ष के दौरान ऋण विस्तार हेतु फुटकर एवं कृषि क्षेत्र के तहत ऋण बढ़ाने के लिए केन्द्रीभूत ध्यान दिया गया।

2.4 वर्ष के दौरान गैर निष्पादक आस्तियों की वसूली के तहत बैंक का निष्पादन आकर्षक रहा। वर्ष के दौरान बैंक ने गत वर्ष की रु. 107.77 करोड़ की वसूली की तुलना में रु. 148.40 करोड़ की वसूली की। इसके अतिरिक्त बैंक ने रु. 58 करोड़ की गैर - निष्पादक आस्तियों का उन्नयन निष्पादक आस्ति श्रेणी में किया।

2.5 वर्ष 2004-05 के दौरान विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों में उत्साहजनक निष्पादन के फलस्वरूप लाभ में और वृद्धि हुई। आस्ति देयता प्रबंधन में किये गये प्रयासों ने बाज़ार में कड़ी स्पर्धा तथा गिरते ब्याज दर परिदृश्य के बावजूद कीमत-लागत अंतर गत वर्ष की 3.76% की तुलना में 31 मार्च 2005 को 3.94 प्रतिशत रहा।

### 3. निवेशों का वर्गीकरण

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार बैंक ने 'विक्रय हेतु उपलब्ध' श्रेणी से 'परिपक्वता हेतु धारित' श्रेणी में रु. 4932 करोड़ का बड़ा संविभाग अन्तर्गत करने हेतु बैंक ने सितम्बर 2004 में विवेक संगत उपाय किये हैं जिससे रु. 205 करोड़ का मूल्यहास बुक किया।

### 4. आय विश्लेषण

4.1 गिरती ब्याज दरों के मद्देनज़र वर्ष 2003-04 के रु. 2,201.17 करोड़ की तुलना में वर्ष 2004-05 के ब्याज आय में 2,249.80 करोड़ (2.21%) की मामूली वृद्धि हुई। तथापि बैंक जमा राशियों की लागत को वर्ष 2003-04 के 5.49% की तुलना में वर्ष 2004-05 के दौरान 4.54% कम करने में काफी हद तक सफल रहा।

(रु. करोड़ में)

विवरण	2003-04	2004-05
ब्याज आय	2,201.17	2,249.80
ब्याज व्यय	1,237.24	1,120.42
निवल ब्याज आय	963.93	1,129.38
शुल्क, कमीशन एवं अन्य राजस्व	516.77	564.57
निवल परिचालनात्मक आय	1,480.70	1,693.95
परिचालनात्मक व्यय	573.66	636.97
सकल लाभ	907.04	1,056.98
प्रावधान एवं आकस्मिकताएं	135.54	452.39*
कर पूर्व लाभ	771.50	604.59
कर हेतु प्रावधान	267.37	202.43
निवल लाभ	504.13	402.16

\* निवेश पर मूल्यहास के रु. 205 करोड़ सहित निवेश पर परिशोधन के रुपए 60.66 करोड़ "एच टी एम" श्रेणी में अन्तर्गत किए गए।

4.2 कुल आय (ब्याज आय और ब्याजेतर आय का योग) पिछले वर्ष के रु. 2,717.94 करोड़ की तुलना में वर्ष 2004-05 के दौरान रु. 96.43 करोड़ (3.55%) की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 2,814.37 करोड़ हो गयी।

4.3 गैर ब्याज आय में वित्तीय वर्ष 2003-04 के रु. 516.77 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष 2004-05 में रु. 47.80 करोड़ (9.25%) की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 564.57 करोड़ रही। कुल आय में गैर-ब्याज आय का प्रतिशत 20.06% रही।

4.4 परिचालनों से निवल आय (कीमत-लागत अंतर और गैर-ब्याज आय) वित्तीय वर्ष 2003-04 के रु. 1480.70 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष 2004-05 में 14.4% वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 1,693.95 करोड़ हो गई है।

4.5 वित्तीय वर्ष 2004-05 के दौरान परिचालनात्मक व्ययों में 11.04% की वृद्धि हुई है और यह वित्तीय वर्ष 2003-04 के रु. 573.66 करोड़ की तुलना में रु. 636.97 करोड़ रहे।

4.6 निवल परिचालनात्मक आय में परिचालनात्मक व्ययों का अनुपात वित्तीय वर्ष 2003-04 के 38.74% से घटकर वित्तीय वर्ष 2004-05 में 37.6% हो गया है।



## DIRECTORS' REPORT 2004-2005

1. The Board of Directors have pleasure in presenting the Annual Report together with Balance Sheet and Profit and Loss Account of the Bank for the year ended 31<sup>st</sup> March 2005.

### 2. Performance at a glance

2.1. The aggregate business of the Bank crossed another milestone mark of Rs 45,000 crore during the financial year 2004-05. The total business of the Bank increased by Rs.8,698.89 crore to Rs.45,779.54 crore from Rs.37,080.65 at the end of the year 2003-04, recording a growth of 23.46 %.

2.2. The total deposits of the Bank have grown by Rs.4,042.23 crore from Rs. 23,190.93 crore as on 31<sup>st</sup> March 2004 to Rs.27,233.16 crore as on 31<sup>st</sup> March 2005, at a growth of 17.43 %.

2.3. The Bank continued its prudent approach in expanding quality credit assets, in line with its policy on Credit Risk Management. The advances of the Bank increased by Rs.4,656.66 crore from Rs.13,889.72 crore as on 31<sup>st</sup> March 2004 to Rs.18,546.38 crore as on 31<sup>st</sup> March 2005, registering a growth of 33.53 %. During the year, focused attention was given for accelerated lending under retail and agricultural segments for expansion of credit.

2.4. The performance of the Bank under recovery of NPAs during the year was impressive. During the year, the Bank effected a cash recovery of Rs.148.40 crore, compared to Rs.107.77 crore in the previous year. Besides, the Bank upgraded non-performing assets valuing Rs. 58 crores to performing assets category.

2.5. The encouraging performance in different functional areas during the year 2004-05 resulted in increased gross profit. Efforts taken in Asset Liability Management enabled the Bank to improve the spread to 3.94 % as on 31<sup>st</sup> March 2005, compared to 3.76 % during the previous year, despite stiff competition in the market and falling interest rate scenario.

### 3. Classification of Investments

In accordance with the guidelines issued by the Reserve Bank of India, the Bank took a prudential step in shifting a sizable portfolio of Rs. 4932 crore from 'Available for Sale' category to 'Held to Maturity' category in September 2004 and booked a depreciation of Rs. 205 crore.

### 4. Income Analysis

4.1. In view of the falling interest rate scenario, interest income of the Bank recorded a modest growth from Rs.2,201.17 crore in the year 2003-04 to Rs.2,249.80 crore (2.21%) in the year 2004-05. However, the Bank was able to reduce the cost of deposits substantially from 5.49 % during the year 2003-04 to 4.54 % during the year 2004-05.

(Rs. in crore)

Particulars	2003-04	2004-05
Interest Income	2,201.17	2,249.80
Interest Expenditure	1,237.24	1,120.42
Net Interest Income	963.93	1,129.38
Fees, Commission & Other Revenue	516.77	564.57
Net Operating Income	1,480.70	1,693.95
Operating Expenses	573.66	636.97
Gross Profit	907.04	1,056.98
Provisions & Contingencies	135.54	452.39*
Profit Before Tax	771.50	604.59
Provision for tax	267.37	202.43
Net Profit	504.13	402.16

\* including Rs. 205 crore of depreciation on investment and Rs. 60.66 crore of amortisation on investment shifted to HTM category.

4.2. The total income (total of interest income and non-interest income) of the Bank improved to Rs.2814.37 crore during the year 2004-05 from Rs.2717.94 crore in the previous year recording a rise of Rs.96.43 crore (3.55 %).

4.3. Non-interest Income increased by Rs.47.80 crore (9.25%) from Rs.516.77 crore in the financial year 2003-04 to Rs.564.57 crore in the financial year 2004-05. The percentage of Non-Interest Income to Total Income stood at 20.06%.

4.4. The Net Income from operations (Interest Spread plus Non-interest Income) has increased to Rs.1,693.95 crore in the financial year 2004-05 from Rs. 1,480.70 crore in the financial year 2003-04 recording a growth of 14.4 %.

4.5. The Operating Expenses have shown an increase of 11.04% during the financial year 2004-05 and stood at Rs.636.97 crore as compared to Rs.573.66 crore in 2003-04.

4.6. The ratio of operating expenses to Net Operating Income marginally declined from 38.74 % in the financial year 2003-04 to 37.6 % in the financial year 2004-05.



## निदेशकों की रिपोर्ट 2004-2005

1. 31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष के तुलन-पत्र एवं लाभ-हानि लेखा सहित बैंक की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए निदेशक मंडल को प्रसन्नता हो रही है।

### 2. निष्पादन की एक झलक

2.1. वित्तीय वर्ष 2004-05 के दौरान बैंक के समग्र कारोबार ने रु. 45,000 करोड़ का एक अन्य मील का पत्थर पार कर लिया। बैंक का कुल कारोबार 23.46 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज करते हुए रु. 8698.89 करोड़ की वृद्धि के साथ वर्ष 2003-04 के रु. 37080.65 करोड़ से बढ़कर रु. 45,779.54 करोड़ हो गया।

2.2. बैंक की कुल जमा राशियाँ 17.43 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज करते हुए रु. 4,042.23 करोड़ की वृद्धि के साथ यथा 31 मार्च, 2004 के रु. 23190.93 करोड़ से बढ़कर यथा 31 मार्च, 2005 को रु. 27,233.16 करोड़ हो गई हैं।

2.3. बैंक ने ऋण जोखिम प्रबंधन संबंधी अपनी नीति के अनुरूप गुणवत्तायुक्त ऋण आस्तियों का विस्तार करने में अपना विवेकपूर्ण दृष्टिकोण बनाए रखा। बैंक का अग्रिम 33.53 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज करते हुए रु. 4656.66 करोड़ की वृद्धि के साथ यथा 31, मार्च 2004 के रु. 13,889.72 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च, 2005 को रु. 18,546.38 करोड़ हो गया। वर्ष के दौरान ऋण विस्तार हेतु फुटकर एवं कृषि क्षेत्र के तहत ऋण बढ़ाने के लिए केंद्रीभूत ध्यान दिया गया।

2.4 वर्ष के दौरान गैर निष्पादक आस्तियों की वसूली के तहत बैंक का निष्पादन आकर्षक रहा। वर्ष के दौरान बैंक ने गत वर्ष की रु. 107.77 करोड़ की वसूली की तुलना में रु. 148.40 करोड़ की वसूली की। इसके अतिरिक्त बैंक ने रु. 58 करोड़ की गैर - निष्पादक आस्तियों का उन्नयन निष्पादक आस्ति श्रेणी में किया।

2.5 वर्ष 2004-05 के दौरान विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों में उत्साहजनक निष्पादन के फलस्वरूप लाभ में और वृद्धि हुई। आस्ति देयता प्रबंधन में किये गये प्रयासों ने बाज़ार में कड़ी स्पर्धा तथा गिरते व्याज दर परिदृश्य के बावजूद कीमत-लागत अंतर गत वर्ष की 3.76% की तुलना में 31 मार्च 2005 को 3.94 प्रतिशत रहा।

### 3. निवेशों का वर्गीकरण

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार बैंक ने 'विक्रय हेतु उपलब्ध' श्रेणी से 'परिपक्वता हेतु धारित' श्रेणी में रु. 4932 करोड़ का बड़ा संविभाग अन्तर्गत करने हेतु बैंक ने सितम्बर 2004 में विवेक संगत उपाय किये हैं जिससे रु. 205 करोड़ का मूल्यहास वुक किया।

### 4. आय विश्लेषण

4.1 गिरती व्याज दरों के मद्देनज़र वर्ष 2003-04 के रु. 2,201.17 करोड़ की तुलना में वर्ष 2004-05 के व्याज आय में 2,249.80 करोड़ (2.21%) की मामूली वृद्धि हुई। तथापि बैंक जमा राशियों की लागत को वर्ष 2003-04 के 5.49% की तुलना में वर्ष 2004-05 के दौरान 4.54% कम करने में काफी हद तक सफल रहा।

(रु. करोड़ में)

विवरण	2003-04	2004-05
व्याज आय	2,201.17	2,249.80
व्याज व्यय	1,237.24	1,120.42
निवल व्याज आय	963.93	1,129.38
शुल्क, कमीशन एवं अन्य राजस्व	516.77	564.57
निवल परिचालनात्मक आय	1,480.70	1,693.95
परिचालनात्मक व्यय	573.66	636.97
सकल लाभ	907.04	1,056.98
प्रावधान एवं आकस्मिकताएं	135.54	452.39*
कर पूर्व लाभ	771.50	604.59
कर हेतु प्रावधान	267.37	202.43
निवल लाभ	504.13	402.16

\* निवेश पर मूल्यहास के रु. 205 करोड़ सहित निवेश पर परिशोधन के रुपए 60.66 करोड़ "एच टी एम" श्रेणी में अन्तर्गत किए गए।

4.2 कुल आय (व्याज आय और व्याजेतर आय का योग) पिछले वर्ष के रु. 2,717.94 करोड़ की तुलना में वर्ष 2004-05 के दौरान रु. 96.43 करोड़ (3.55%) की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 2,814.37 करोड़ हो गयी।

4.3 गैर व्याज आय में वित्तीय वर्ष 2003-04 के रु. 516.77 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष 2004-05 में रु. 47.80 करोड़ (9.25%) की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 564.57 करोड़ रही। कुल आय में गैर-व्याज आय का प्रतिशत 20.06% रही।

4.4 परिचालनों से निवल आय (कीमत-लागत अंतर और गैर-व्याज आय) वित्तीय वर्ष 2003-04 के रु. 1,480.70 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष 2004-05 में 14.4% वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 1,693.95 करोड़ हो गई है।

4.5 वित्तीय वर्ष 2004-05 के दौरान परिचालनात्मक व्ययों में 11.04% की वृद्धि हुई है और यह वित्तीय वर्ष 2003-04 के रु. 573.66 करोड़ की तुलना में रु. 636.97 करोड़ रहे।

4.6 निवल परिचालनात्मक आय में परिचालनात्मक व्ययों का अनुपात वित्तीय वर्ष 2003-04 के 38.74% से घटकर वित्तीय वर्ष 2004-05 में 37.6% हो गया है।



## 5. Spread Analysis

By prudent Asset Liability Management, the Bank was able to improve the interest spread during the year. The interest spread improved to 3.94 % for the financial year 2004-05. The spread analysis is furnished herebelow:

(Rs. in crore)

Parameters	FY 2003-04	FY 2004-05	Growth	
			Absolute	%
Average working funds	25,660.00	28,700.00	3,040	11.85
Total Interest Income	2,201.17	2,249.80	48.63	2.21
Total interest expended	1,237.24	1,120.42	(-)116.82	(-)9.44
Spread	963.93	1,129.38	165.45	17.16
Yield on Funds	8.58%	7.84%	(-)0.74	--
Cost of funds	4.82%	3.90%	(-)0.92	--
Net Interest Margin	3.76%	3.94%	0.18	--

## 6. Gross Profit

6.1. The Gross Profit for the financial year 2004-05 stood at Rs.1,056.98 crore as compared to Rs. 907.04 crore in the financial year 2003-04 registering an increase of Rs.149.94 crore (16.53%).

6.2. The Asset Utilisation Ratio (percentage of Gross Profit to Average Working Funds) increased from 3.53 % in the financial year 2003-04 to 3.68 % in the financial year 2004-05.

## 7. Provisions

The provision for loan losses, provision on Standard Assets, Taxation and others aggregated Rs.654.82 crore in the financial year 2004-05 as compared to Rs.402.91 crore in the financial year 2003-04.

## 8. Net Profit and Dividend

8.1. The Bank registered a Net Profit of Rs.402.16 crore for the financial year 2004-05 compared to Rs.504.13 crore in the financial year 2003-04.

8.2. Out of the Net Profit, a sum of Rs.286.27 crore was transferred to Statutory & General Reserves and Rs.10 crore was set-aside for Staff Welfare Fund.

8.3. The Bank has already paid an interim dividend of 30% on 10<sup>th</sup> February 2005 for the year 2004-05. The Board of Directors has declared a final dividend of 35% for

the financial year 2004-05. The total dividend for the year 2004-05 is 65%, compared to 60% declared for the year 2003-04.

8.4. In terms of extant guidelines the Bank has paid the dividend distribution tax for the financial year 2004-05. Accordingly the total outflow on account of Dividend (inclusive of both interim and final) for the year 2004-05 is Rs. 105.90 crore including the dividend distribution tax.

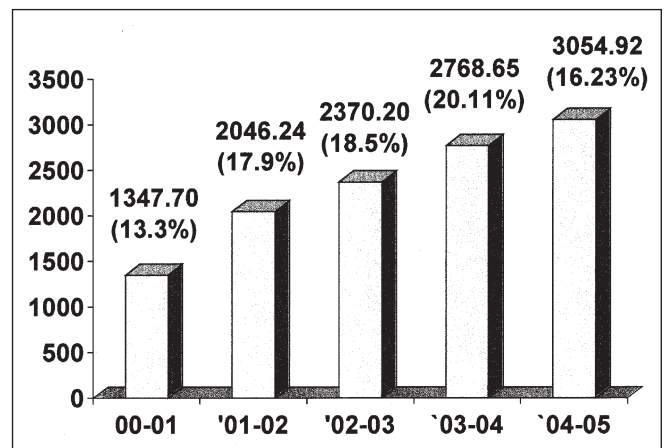
## 9. Net Worth and CRAR

9.1. The Net Worth of the Bank improved to Rs. 3,054.92 crore as on 31<sup>st</sup> March 2005 from Rs.2,768.65 crore as on 31<sup>st</sup> March 2004.

9.2. The Capital to Risk Adjusted Assets Ratio (CRAR) stood at 16.23 % as on 31<sup>st</sup> March 2005 as against 20.11 % as on 31<sup>st</sup> March 2004 which is much above the norm of 9 % stipulated by Reserve Bank of India and is one of the best in the industry.

9.3. The Tier I component of CRAR was 13.55 % as on 31<sup>st</sup> March 2005 compared to 16.51% as on 31<sup>st</sup> March 2004.

	As on	
	Mar 2004	Mar 2005
Tier I Capital	16.51%	13.55%
Tier II Capital	3.60%	2.68%
<b>Total</b>	<b>20.11%</b>	<b>16.23%</b>



Networth in Rs. crore and CRAR in percent

9.4. The Return on Net Worth, Earnings Per Share and Book Value per Share for the financial year 2004-05 stood at 13.16%, Rs.28.04 and Rs.212.98 respectively as against 18.21%, Rs.35.15 and Rs.193.02 respectively for the previous year.





## 10. लेखों का समेकन

भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार बैंक ने यथा 31, मार्च 2005 के अपने वित्तीय लेखों का अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुपंगियों अर्थात् कार्प बैंक होम्स लि. और कार्प बैंक सिक्यूरिटीज़ लि. के लेखों के साथ समेकन किया है। यथा 31 मार्च, 2005 के समेकित विवरण के अनुसार कार्प बैंक ग्रुप की निवल मालियत 31 मार्च, 2004 के रु. 2909.41 करोड़ की तुलना में रु. 3143.80 करोड़ रही। वर्ष 2003-04 के रु. 962.34 करोड़ के सकल लाभ और रु. 530.83 करोड़ के निवल लाभ की तुलना में वर्ष रु. 2004-05 हेतु सकल लाभ रु. 986.12 करोड़ रहा और निवल लाभ रु. 350.69 करोड़ रहा। भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार बैंक ने भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा निर्धारित लेखा मानदण्डों का अनुपालन किया है।

## 11. कार्प बैंक होम्स का विलय

बैंक के निदेशक मंडल ने सांविधिक एवं अन्य सभी अपेक्षाएं पूरी करने के पश्चात् कार्प बैंक होम्स लि. नामक अपनी एक अनुपंगी को 1 अप्रैल 2005 से बैंक के साथ विलय करने का निर्णय लिया है।

## 12. शाखा नेटवर्क

12.1 वित्तीय वर्ष 2004-05 के दौरान बैंक ने 55 शाखाएं खोलीं जिससे 31 मार्च, 2005 को शाखाओं की कुल संख्या 777 हो गई जो 23 राज्यों एवं 2 संघशासित क्षेत्रों में फैली हैं। देश के 100 शीर्ष केन्द्रों में से 96 केन्द्रों में बैंक की उपस्थिति है।

12.2 सिक्किम राज्य के गंगटोक में शाखा खोलकर बैंक ने देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्रवेश किया है।

12.3 उपर्युक्त में से विशेषीकृत शाखाओं की संख्या 145 हैं। यथा 31.03.2005 को विस्तार काउंटर्स की संख्या 83 थी।

प्रवर्ग	शाखाएँ		विशेषीकृत शाखाएँ	
	संख्या	प्रतिशत	प्रवर्ग	संख्या
महानगरीय पत्तन नगर एवं शहरी अर्द्ध-शहरी ग्रामीण	226	29	वैयक्तिक बैंकिंग कैम्प	28
	217	28	औद्योगिक वित्त	10
	166	21	लघु उद्योग	6
	168	22	आर्स्ति वसूली	4
			आवास वित्त	5
			समुद्रपारीय	4
			वाणिज्यिक बैंकिंग	2
			अनिवासी भारतीय सेवा शाखाएं	1
			वाणिज्यिक एवं वैयक्तिक बैंकिंग	11
योग	777	100%	विदेशी विनिमय सेवा शाखा	66
			त्वरित उगाही सेवा	1
				5*
योग	777	100%	योग	145

\* इसमें भुगतान प्रसंस्करण केन्द्र, पूँजी बाजार शाखा तथा डिपॉजिटरी प्रतिभागी शाखा तथा आर टी जी एस सम्मिलित हैं।

12.4 भारतीय जीवन बीमा निगम के साथ रणनीतिपरक संबंध के अनुरूप बैंक ने उनके परिसर में 127 आऊटलेट खोले हैं जिसमें 34 शाखाएं, 30 विस्तार काउंटर तथा 63 ए टी एम शामिल है।

## 13. एटीएम

बदलते परिदृश्य तथा ग्राहक अधिमानताओं के अनुरूप एटीएम नेटवर्क हेतु मांग के मद्दे नज़र बैंक ने वर्ष 2004-05 के दौरान 141 अतिरिक्त एटीएम परिचालित किए हैं और जिससे पूरे देश में एटीएमों की कुल संख्या 801 हो गई है।

## 14. ग्राहक सेवा एवं प्रौद्योगिकी

14.1 बैंक ने ग्राहकों को वर्धित सेवाएं प्रदान करने के सर्वोच्च उद्देश्य से कई नये और तदनुकूल उत्पाद और सेवाएँ प्रदान करते हुए चालू वर्ष के दौरान अपनी प्रौद्योगिकी उन्नयन को और मजबूत बनाया।

14.2 बैंक ने अपने ग्राहकों की अपेक्षाओं के अनुकूल निम्नलिखित नये प्रौद्योगिकी परक उत्पाद शुरू किये हैं।

14.3 बैंक ने अपने ग्राहकों द्वारा इंटरनेट के माध्यम से रेलवे टिकटें बुक करने की सुविधा प्रदान करने हेतु कार्प-ई रेल नामक नया उत्पाद प्रारम्भ किया है।

14.4 बैंक के ए टी एमों के माध्यम से ग्राहकों के लिए निर्धारित वृहत ऋण सीमा के परिचालन हेतु कार्प किसान क्रेडिट कार्ड सुविधा।

14.5 कार्प कम्पैनियन : किसी भी शाखा से बैंकिंग सुविधा जिसके द्वारा हमारी कोर कनेक्टेड शाखाओं के ग्राहक 133 केन्द्रों में स्थित बैंक की 366 कोर शाखाओं में अपने खाते में लेन देन कर सकते हैं।

14.6 कार्प पावर चेक: मल्टी सिटी चेक सुविधा जिसमें ग्राहक द्वारा जारी चेक 135 से अधिक केन्द्रों में स्थानीय चेक माना जाता है।

14.7 कार्प मेडिकलेम : हमारे ग्राहकों, जो कार्प कन्वीनिअंस डेबिट कार्ड धारक हैं, की चिकित्सा बीमा जरूरतों को पूरा करने की सुविधा।

14.8 कार्प 4 इन 1 एकाउंट (चालू खाता का वेरिएंट) : एक उत्पाद जिसमें ग्राहक को चालू खातों के चार प्रकारों में से कोई एक खोलने का विकल्प है और रखे गये त्रैमासिक औसत शेष के आधार पर विभिन्न सेवा प्रभागों में अधिक रियायत प्राप्त की जा सकती है।

14.9 कार्प क्विक रेमिट : अमेरिका तथा कनाडा के अनिवासी भारतीयों हेतु ऑन लाइन विप्रेषण सेवा जो इन अनिवासी भारतीयों को अमरीका के स्वचालित समाशोधन गृह (ए सी एच) नेटवर्क के ज़रिए शीघ्रता से सुरक्षित ढंग से सुविधाजनक तथा लागत प्रभावी (किफायती) ढंग से भारत में निधियां अन्तरित करने का साधन है।

14.10 कार्प एक्सप्रेस मनी : खाड़ी तथा मध्य एशिया के अनिवासी



## 10. Consolidation of accounts

As per RBI Guidelines, the Bank has consolidated the financial accounts as at 31<sup>st</sup> March 2005 with those of its wholly owned subsidiaries viz. Corp Bank Homes Ltd. and Corp Bank Securities Ltd. As per the consolidated statement as at 31<sup>st</sup> March 2005, the Net Worth of the Corp Bank group stood at Rs.3143.80 crore as compared to Rs.2909.41 crore as at 31<sup>st</sup> March 2004. The consolidated Gross Profit and Net Profit for the year 2004-05 were Rs.986.12 crore and Rs.350.69 crore respectively compared to Rs.962.34 crore and Rs.530.83 crore respectively for the year 2003-04. As per RBI Guidelines, the Bank has complied with the Accounting Standards prescribed by the Institute of Chartered Accountants of India.

## 11. Merger of Corp Bank Homes

The Board of Directors of the Bank has taken a decision to merge one of its subsidiaries, namely, Corp Bank Homes Ltd, with the Bank, effective from 1st April, 2005 after meeting statutory & all other requirements.

## 12. Branch Network

12.1 During the financial year 2004-05, 55 branches were opened, thereby taking the total number of branches to 777 as on 31.03.2005, spread over 23 states and 2 union territories. The Bank has presence in 96 out of top 100 centres of the country.

12.2 Opening of the branch at Gangtok in Sikkim State has enabled the Bank to make an entry into the North Eastern Region of the country.

12.3 Out of the above, the number of specialised branches are 145. The number of Extension Counters as on 31.03.2005 stood at 83.

Category	Branches		Specialised Branches	
	No.	Percent	Category	No.
Metro	226	29	Personal Banking Branch	28
Urban & Port Town	217	28	CAPS	10
Semi-Urban	166	21	Industrial Finance Branch	6
Rural	168	22	SSI	4
			Asset Recovery	5
			Housing Finance	4
			Overseas	2
			Commercial Banking	2
			NRI	1
			Service Branches	11
			Commercial & Personal Banking	66
			Foreign Exchange Service Br.	1
			Fast Collection Service	5*
<b>Total</b>	<b>777</b>	<b>100%</b>	<b>Total</b>	<b>145</b>

(\* includes Payment Processing Centre, Capital Market Branch, Depository Participant Branch and RTGS)

12.4 In terms of strategic alliance with Life Insurance Corporation of India, the Bank has presence in 127 outlets in their premises comprising of 34 Branches, 30 Extension Counters and 63 ATMs.

## 13. ATMs

With the accelerated thrust for ATM network, in tune with the changes and customer preferences, the Bank has operationalised and networked 141 additional ATMs during the year 2004-05 taking the total number of ATMs to 801 across the country.

## 14. Customer Service and Technology

14.1 The Bank has accelerated its technology drive during the year by offering several innovative and tailor made products and services with the ultimate objective of delivering value to the customers.

14.2 The Bank has introduced the following new technological products to suit the requirements of our clients.

14.3 Corp e-rail, facilitating booking of railway tickets through Internet by customers of the Bank.

14.4 Corp Kisan Card facility for operating comprehensive credit limits fixed for Farmers through the Bank's ATMs.

14.5 Corp Companion: Any Branch Banking facility by which our customers of Core connected Branches can operate their account from over 366 Core Branches of the Bank spread over 133 centres.

14.6 Corp PowerCheq: Multi City Cheque facility wherein the customer can issue cheques drawn on the base branch, payable at par at selected remote centres.

14.7 Corp Mediclaim: Facility to meet the medical insurance needs of our customers who are holders of Corp Convenience Debit Card.

14.8 Corp 4 in 1 a/c (Variants of Current Accounts): A product wherein the customer has the option to open anyone of 4 types of Current accounts and enjoy graded concession in various service charges based on quarterly average balance maintained in the account.

14.9 Corp Quick Remit: An online remittance service for the NRIs based in USA and Canada which provides them a means to transfer funds to India quickly, securely, conveniently and in a cost-effective manner through the Automated Clearing House (ACH) network in USA.

14.10 Corp Xpress Money: A facility for fast money transfer



भारतीयों के लिए यू.ए.ई. एक्सचेंज सेंटर एल.एल.सी. के सहयोग से भारत में शीघ्रता से धनराशि अन्तरण की सुविधा।

14.11 बैंक ने कार्प बैंक एटीएम के ज़रिए अपने कार्डधारकों को प्रीपेड मोबाइल फोन के इलेक्ट्रॉनिक रीचार्ज की सुविधा लागू की है। इससे ग्राहकों को या तो कार्प बैंक एटीएम के ज़रिए अपने खाते में नामे डालते हुए अपने प्रीपेड मोबाइल फोन को रीचार्ज करने या मोबाइल ऑपरेटर को एसएमएस के ज़रिए अनुरोध करके रीचार्ज करने की सुविधा मिलेगी।

14.12 ऑन लाइन रिअल टाइम बैंकिंग परिस्थितियों के लाभों को देखते हुए बैंक ने चालू वित्तीय वर्ष के दौरान कोर बैंकिंग समाधान (सीबीएस) प्रारंभ किया है। वर्ष के दौरान 311 शाखाओं को कोर बैंकिंग समाधान के तहत लाया गया। इस प्रकार सी बी एस के तहत शाखाओं की कुल संख्या 366 हो गई है।

14.13 ग्राहक केन्द्रित अवधारणा के अनुरूप बैंक ग्राहकों की ज़रूरतों तथा अपेक्षाओं को शीर्षस्थ प्राथमिकता देता रहा। जहाँ एक ओर काउंटर सेवा की गुणवत्ता सुधारने तथा विवेकी ग्राहकों की मांगों को पूरा करने हेतु सतत प्रयास किये गये, वहीं दूसरी ओर सेवा में कमी की शिकायतों तथा शिकायतों के निपटान पर तत्काल ध्यान दिया गया।

14.14 ग्राहक शिकायतों के शीघ्र निपटान हेतु बैंक में एक प्रभावकारी शिकायत निपटान प्रणाली है।

## 15. विज्ञापन एवं प्रचार

15.1 उत्पादों, सेवाओं, व्याज दरों तथा बैंक के निष्पादन संबंधी विज्ञापनों के माध्यम से बैंक ने ग्राहकों, शेयरधारकों एवं जनसामान्य से संप्रेषण करने के प्रयास जारी रखे। और अधिक ग्राहकों को अपने वश में लाने के लिए बैंक ने वर्ष के दौरान कई प्रोन्नयन अभियान चलाए।

15.2 बैंक ने इलेक्ट्रॉनिक प्रचार माध्यम में कार्पोरेट छवि बनाने के लिए सभी प्रमुख टी.वी. चैनलों में व्यावसायिक टी.वी. प्रचार भी शुरू किये हैं।

15.3 बैंक की वेबसाइट [www.corpbank.com](http://www.corpbank.com) रीडिजाइन की गई और ग्राहक हितैषी बनायी गई। ग्राहक अपने ऋण आवेदन पत्र वेबसाइट पर ऑनलाइन के ज़रिए प्रस्तुत कर सकते हैं। बैंक की वेबसाइट का रखरखाव अब बैंक द्वारा किया जा रहा है।

## 16. विपणन

16.1 बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम, न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लि. एवं निर्यात ऋण गारंटी कार्पोरेशन (ई सी जी सी) का कार्पोरेट एजेंट है। बीमा उत्पादों का विपणन प्रशिक्षित कर्मचारियों के ज़रिए किया जाता है।

16.2 न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के कार्पोरेट एजेंट के रूप में बैंक ने एक नया उत्पाद 'कार्प मेडिकलेम' विशेष रूप से डेबिट कार्ड धारकों हेतु शुरू किया है।

16.3 शुल्क आधारित आय बढ़ाने की अपनी रणनीति के एक भाग के रूप में बैंक ने फ्रैंकलिन टेम्पलेटन म्यूचुअल फंड के साथ इसके म्यूचुअल फंड

उत्पादों को बैंक की विनिर्दिष्ट शाखाओं में वितरण करने हेतु ताल मेल व्यवस्था की है। यह पहले की एल.आई.सी. म्यूचुअल फंड, डी.एस.पी. मेरिल लिंच म्यूचुअल फंड, यू.टी.आई. म्यूचुअल फंड तथा रिलाइंस कैपिटल म्यूचुअल फंड तालमेल व्यवस्थाओं के अतिरिक्त है। बैंक इसी प्रकार के अन्य अनेक म्यूचुअल फंडों के साथ उनके उत्पादों के वितरण हेतु तालमेल व्यवस्थाएं करने की प्रक्रिया में है।

16.4 बैंक ने अपने एटीएमों पर अन्य बैंकों द्वारा जारी मास्टर कार्डों का उपयोग करने की सुविधा प्रदान करने हेतु मैसर्स मास्टर कार्ड के साथ ताल मेल व्यवस्था की है तथा इस सुविधा हेतु तकनीकी एकीकरण का कार्य जारी है।

## 17. सामाजिक सरोकार

17.1 बैंक ने गतवर्ष की भांति वर्ष 2004-05 के दौरान भी अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता पूरी करने के लिए अनेक उपाय किये हैं। सुनामी पीड़ितों के पुनर्निवास हेतु बैंक ने प्रधान मंत्री राष्ट्रीय राहत निधि को रु. 1 करोड़ का दान दिया।

17.2 बैंक ने नए खातों हेतु एक अभियान चलाया व इसके अंतर्गत खोले गए प्रत्येक नए खाते के लिए रु. 5/- का अंशदान सुविधाहीन वयोवृद्ध नगरिकों के कल्याण हेतु कार्यरत स्वैच्छिक संगठन हेल्पेज इंडिया को देने का निर्णय लिया। तदनुसार बैंक ने हेल्पेज इंडिया को रु. 14.43 लाख दान दिये। इसी तरह बैंक ने 100 दिन के ज़ागरूकता एवं विक्रय प्रोन्नयन अभियान के दौरान खोले गए खातों के संबंध में चाइल्ड रिलीफ एंड यू (आई) को भी रु. 15.70 लाख दान दिये।

17.3 शताब्दी समारोह के भाग के रूप में बैंक ने उडुपि जिला अस्पताल की नई विल्डिंग में एक तल के निर्माण हेतु रु. 10.00 लाख दान दिये।

17.4 बैंक ने स्कूल / कालेज के अर्हक 4699 विद्यार्थियों को सूचना प्रौद्योगिकी की जगह रुकता उत्पन्न करने हेतु छात्रवृत्ति भी प्रदान की।

## 18. कार्पोरेशन बैंक स्वरोज्जगार प्रशिक्षण संस्थान (सीओबीएसईटीआई)

22.03.1996 को स्थापित कार्पोरेशन बैंक स्वरोज्जगार प्रशिक्षण संस्थान (सीओबीएसईटीआई) बैंक द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण संस्थान है। यह संस्थान चिकमगलूर और कोडगु जिलों के बेरोज्जगार युवाओं की व्यावसायिक प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करता है जहाँ बैंक की अग्रणी बैंक की जिम्मेदारी है। प्रशिक्षण अवधि के दौरान उम्मीदवारों को रहने एवं खाने की मुक्त व्यवस्था प्रदान की जाती है। मार्च 2005 को संस्थान ने 4915 उम्मीदवारों को प्रशिक्षण दिया जिसमें से 3030 लोगों ने स्वरोज्जगार क्रिया कलाप प्रारम्भ किये हैं। संस्थान आवश्यक संयोजन प्रदान करके रोज्जगार क्रिया कलाप शुरू करने में प्रशिक्षित व्यक्तियों को अभिप्रेरित करने हेतु सभी प्रयास कर रहा है। संस्थान की, प्रशिक्षणार्थियों के लिए सभी प्राथमिक सुविधाओं वाली अपनी विल्डिंग निर्माणाधीन है।

## 19. कार्पोरेशन बैंक आर्थिक विकास मंच

बैंक ने एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में कार्पोरेशन बैंक आर्थिक विकास मंच के तत्वाधान में कार्पोरेट ध्येय के अनुरूप अपने दायित्व पूरे करने के कार्य जारी रखे। विभिन्न परियोजनाओं के निष्पादन हेतु रु. 36.50 लाख के वित्तीय अनुदान मंजूर किये। वित्तीय वर्ष के दौरान सहायता के क्षेत्रों में संरचना गत सुविधाएं जैसे स्वच्छ पेय जल सुविधाएं, स्वास्थ्य चिकित्सा



to India for NRIs based in the Gulf and Middle East in association with UAE Exchange Centre LLC.

14.11 The Bank has implemented the facility of Electronic Recharge of prepaid Mobile Phones for its cardholders through CorpBank ATMs. The facility will enable the customers to either recharge their prepaid Mobile Phones by debiting their accounts through CorpBank ATMs or by sending recharge request SMS to the Mobile Operator.

14.12 Having regard to the advantages of online realtime banking environment, the Bank started implementing Core Banking Solution (CBS) at branches and 311 branches were brought under CBS during the year, thus taking the total no of branches under CBS to 366.

14.13 In conformity with its customer centric approach, the Bank continued to give top priority to customers' needs and expectations. While continuous efforts were made to improve the quality of counter service and to meet the increasing demands of discerning clients, immediate attention is given to complaints on deficiency of service and redressal of grievances.

14.14 The Bank has an effective grievance redressal system for expeditious settlement of customer complaints.

## 15. Advertising and Publicity

15.1 The Bank continued to communicate to the customers, shareholders and the general public through advertisements on products, services, interest rates and the performance of the bank. In order to add more customers to the fold, the bank launched various promotional campaigns during the year.

15.2 The Bank also launched TV commercials in all major TV channels to build up corporate image in the electronic media.

15.3 The Bank's website [www.corpbank.com](http://www.corpbank.com) was redesigned and made more user - friendly during the year. The Customers were enabled to submit their loan applications online over the website. The Bank's website is now maintained by the Bank.

## 16. Marketing

16.1 The Bank is a Corporate Agent for Life Insurance Corporation of India, New India Assurance Company Ltd. and Export Credit Guarantee Corporation (ECGC). Marketing of insurance products is taken up through trained employees.

16.2 As a Corporate Agent of New India Assurance Company Ltd. the Bank has introduced a new product 'CorpMediclaim' exclusively for the Debit card holders.

16.3 As part of its strategy to increase the fee-based income, the Bank has entered into a tie-up with Franklin Templeton Mutual Fund for distribution of its Mutual Fund. Products through the identified branches of the Bank. This is in addition

to the earlier tie-ups with LIC Mutual Fund, DSP Merrill Lynch Mutual Fund, UTI Mutual Fund and Reliance Capital Mutual Fund. The Bank is in the process of having similar tie-ups with many other Mutual Funds for distribution of their products.

16.4 The Bank has also tied up with M/s MasterCard for enabling usage of MasterCards issued by other banks at our ATMs and the technical integration work for the facility is underway.

## 17. Social Concern

17.1 As in the previous years, during 2004-05 too the Bank took several steps to fulfil its social commitment. The Bank donated Rs.1.00 crore to the Prime Minister's National Relief Fund to rehabilitate the Tsunami victims.

17.2 The Bank launched a campaign for new accounts and decided to contribute a sum of Rs.5/- for every new account opened during the campaign to HelpAge India, a voluntary organisation working for the underprivileged among the elderly citizens. Accordingly, the Bank donated an amount of Rs.14.43 lakhs to HelpAge India. Along similar lines, an amount of Rs. 15.70 lakhs was also donated to Child Relief and You (CRY) in respect of the accounts opened during the 100 days awareness and sales promotion campaign.

17.3 As a part of the centenary celebrations, the Bank donated a sum of Rs.10.00 lakhs towards the cost of constructing one floor in the new building of the Udupi District Hospital.

17.4 The Bank also offered scholarship to 4699 eligible school/college students for creating IT awareness among them.

## 18. Corporation Bank Self-Employment Training Institute [COBSETI]

The Corporation Bank Self-Employment Training Institute [COBSETI] established on 22.03.1996 is a Training Institute sponsored by the Bank. The Institute takes care of the vocational training needs of Chikmagalur and Kodagu districts in Karnataka wherein the Bank has Lead Bank responsibility. During the training period, Boarding and lodging is provided free to the candidates. As at March 2005, the Institute imparted training to 4915 candidates, out of which 3030 persons have taken up self-employment ventures. The Institute is making all out efforts to motivate the trained persons in establishing self-employment ventures by co-ordinating with development departments in providing necessary linkages. The construction of Institute's own building is in progress with all the basic amenities for the trainees.

## 19. Corporation Bank Economic Development Foundation

The Bank, as a responsible corporate citizen, continues to fulfill its social obligations, under the aegis of Corporation Bank Economic Development Foundation. Financial grants to the extent of Rs.36.50 lakh were sanctioned during the year for





शिविर, मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, शौचालयों का प्रावधान, अनाथ बच्चों के लिए सरकारी स्कूलों में क्लासरूम का प्रावधान आदि शामिल हैं। मंच ने मंगलूर तालुक में 15000 परिवारों को स्व-सहायता समूहों में संगठित करके उनके सशक्तीकरण हेतु एक अद्भुत विकास कार्यक्रम शुरू किया है।

## 20. राजभाषा का प्रगामी प्रयोग

20.1 बैंक राजभाषा के कार्यान्वयन के संबंध में भारत सरकार की नीतियों को निष्ठापूर्वक कार्यान्वित करता रहा है और सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु सतत प्रयास कर रहा है। बैंक राजभाषा अधिनियम, 1963 और राजभाषा नियम, 1976 दोनों के प्रावधानों का अनुपालन भी सुनिश्चित करता है। बैंक की हिन्दी वेबसाइट का उपयोग बहु-संख्यक लोगों द्वारा लगातार किया जा रहा है जो जनता के बीच उसकी लोकप्रियता का परिचायक है। बैंक के सभी ए टी एम त्रिभाषी हैं।

20.2 हमारे बैंक को भारतीय रिज़र्व बैंक की अन्तर बैंक निबंध प्रतियोगिता के तहत इसकी शुरुआत अर्थात् 1998 से अब तक हिन्दीतर समूह में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हो रहा है।

20.3 बैंक भारतीय बैंक संघ/भारतीय रिज़र्व बैंक/मानव संसाधन विकास मंत्रालय आदि द्वारा गठित हिन्दी कार्य दलों का सदस्य है।

## 21. बैंक द्वारा प्रायोजित अनुषंगियों और अन्य इकाइयों का निष्पादन

### 21.1 कार्पबैंक होम्स लिमिटेड

बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली आवास वित्त अनुषंगी, कार्पबैंक होम्स लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष के दौरान उत्साहवर्धक परिणाम दर्ज किये। उक्त अनुषंगी ने पिछले वर्ष के रु. 7.03 करोड़ की तुलना में वर्ष 2004-05 के दौरान रु. 5.96 करोड़ का परिचालन लाभ (कर पूर्व लाभ) अर्जित किया। पिछले वर्ष के रु. 5.63 करोड़ के निवल करोत्तर लाभ के मुकाबले 31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष हेतु निवल करोत्तर लाभ रु. 4.97 करोड़ रहा। वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा कुल ऋण संवितरण रु. 63.07 करोड़ रहा और 31 मार्च, 2005 तक बकाया अग्रिम रु. 308.89 करोड़ रहे। कंपनी की निवल मालियत रु. 31.90 करोड़ रही।

### 21.2. कार्पबैंक सिक्युरिटीज़ लिमिटेड

सरकारी प्रतिभूतियों में एक प्राथमिक डीलर; बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कार्पबैंक सिक्युरिटीज़ लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष के दौरान बाडों की आय में तीव्र वृद्धि के फलस्वरूप रु. 68.67 करोड़ की हानि दर्ज की। यह निष्पादन पूरे वर्ष बार-बार उच्च मुद्रास्फीति, आय वृद्धि, अब तक सक्रिय खिलाड़ियों में व्यावसायिक रुचि में कमी के कारण बाज़ार अवसरों में कमी की वजह से सामान्यतः ऋण बाज़ार में प्राथमिक डीलरों द्वारा महसूस की

गई विशुद्ध अवधि के कारण रहा। 10 वर्ष का प्रतिलाभ वित्तीय वर्ष के अन्त में 6.69% पर स्थिर होने से पहले 5.16% से बढ़कर 7.25% हो गया। प्राथमिक डीलर के रूप में कंपनी को अपनी बोली प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की बाध्यता होती है तथा प्रत्येक नीलामी में भाग लेना पड़ता है एवं निर्धारित न्यूनतम सफलता अनुपात सुनिश्चित करना पड़ता है। इस प्रक्रिया में इसे अनिच्छुक स्थिति स्वीकार करनी पड़ी तथा बाज़ार निर्माता के रूप में तुलनात्मक रूप में उच्च पोर्टफोलियो धारित करना पड़ा जिसके फलस्वरूप उच्च पोर्टफोलियो अवधि से पोर्टफोलियो में विस्तार हुआ जिससे अधिक मूल्य जोखिम बढ़ा। वित्तीय वर्ष के दौरान उच्चावचन युक्त व्याज दर परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए कंपनी को अपने विनिधान को बढ़ाना पड़ा तथा इस प्रक्रिया में दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियों से उत्साहित होने से व्यावसायिक हानि हुई। चालू वर्ष की परिचालन हानि वर्ष 2003-04 रु. 73.27 करोड़ के परिचालन लाभ के विपरीत रु. 68.67 करोड़ थी। तथापि वित्तीय वर्ष 2004-05 के दौरान पण्यवर्त रु. 77,343 करोड़ से बढ़कर रु. 1,19,005 करोड़ हो गया। परिचालन हानि के फलस्वरूप कंपनी की निवल मालियत रु. 201.61 करोड़ से गिरकर रु. 133.42 करोड़ हो गई। लेकिन 31.3.2005 को धारित निम्न पोर्टफोलियो के कारण पूंजी पर्याप्तता अनुपात सुधरकर 122.64% हो गया।

21.2.1 31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष हेतु कार्पबैंक होम्स लिमिटेड और कार्पबैंक सिक्युरिटीज़ लिमिटेड के लेखा-परीक्षित वित्तीय विवरण और लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट संलग्न है।

21.2.2 भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देशों के तहत, बैंक ने 31 मार्च, 2005 तक के वित्तीय खातों का समेकन अनुषंगियों अर्थात् - कार्प बैंक होम्स लिमिटेड एवं कार्प बैंक सिक्युरिटीज़ लिमिटेड के साथ किया है।

### 21.3 चिकमगलूर कोडगु ग्रामीण बैंक (चिको बैंक)

बैंक द्वारा प्रायोजित चिकमगलूर कोडगु ग्रामीण बैंक (चिको बैंक) का 50 शाखाओं का नेटवर्क है। यथा 31 मार्च, 2005 को चिको बैंक की जमाराशियाँ रु. 105.39 करोड़ तथा अग्रिम रु. 85.77 करोड़ रहीं। वर्ष के दौरान ग्रामीण बैंक के सभी स्टाफ को प्रशिक्षित किया गया। चिको बैंक ने 31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष के दौरान रु. 16.19 लाख का लाभ दर्ज किया।

## 22. निदेशक मण्डल

वर्ष 2004-05 की अवधि में बैंक के निदेशक मण्डल में निम्नलिखित परिवर्तन हुए हैं।

22.1 श्री के. चेरियन वर्गीज़ की यूनिन बैंक ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्ति के फलस्वरूप श्री वी. के. चोपड़ा



execution of various projects of societal concerns. The areas of assistance during the financial year included providing infrastructural facilities such as clean drinking water facilities, health care camps, malaria eradication programme, provision of toilets, provision of class-rooms in Government schools, study room for orphans, etc. The Foundation has taken up a unique development programme for empowerment of 15000 families in Mangalore taluk, by organising them into SHGs.

## 20. Progressive use of Official Language

20.1 The Bank has been following the policy of the Government of India on implementation of Official Language and is continuously striving to achieve the targets set by the Government. The bank also strives to comply with the provisions of both Official Language Act 1963 and Official Language Rule 1976. The Banks' Hindi website continues to be accessed by a large number of people which is a testimony to its popularity among the public. All ATMs of the Bank are trilingualised.

20.2 The Bank has been regularly bagging prizes under RBI's Inter Bank essay award from the date of its inception i.e. from 1998 till date.

20.3 The Bank is a member of Hindi working groups constituted by IBA/RBI/Ministry of Human Resource Development etc.

## 21. Performance of Subsidiaries and other units sponsored by the Bank

### 21.1. CorpBank Homes Ltd.

Corpbank Homes Limited, the wholly owned housing finance subsidiary of the Bank has posted satisfactory results during the fiscal. The subsidiary earned an operating profit (Profit Before Tax) of Rs.5.96 crore for the year 2004-2005 as against Rs.7.03 crore for the previous year. The Net Profit after Tax for the year ended March 31, 2005 was Rs.4.97 crore as against Rs.5.63 crore for the previous year. The loan disbursement by the Company aggregated to Rs.63.07 crore during the year and the outstanding advances stood at Rs.308.89 crore as at March 31, 2005. The net worth of the Company stood at Rs. 31.90 crore.

### 21.2 Corp Bank Securities Limited

The wholly owned subsidiary of the Bank, Corp Bank Securities Limited, a primary dealer in Govt. Securities posted a loss of Rs 68.67 crore during the fiscal as a result of the sharp rise in bond yields. This performance was in the backdrop of turbulent

period experienced by the Primary Dealers in the Debt Market in general for the entire fiscal, on account of higher inflation numbers, rising yields and poor market opportunities due to absence of trading interest by the hitherto active players. The 10 year yield rose from 5.16% to 7.25% before settling at 6.69% as at the end of the fiscal. As Primary Dealer, the Company has an obligation to fulfill its bidding commitments and to participate in each auction and to ensure prescribed minimum success ratio. In the process, it had to take involuntary position and hold relatively higher portfolio as market maker, which resulted in expanded portfolio with higher portfolio duration, thereby exposing the company to greater price risk. In view of volatile interest rate scenario during the fiscal, the Company had to pare its exposure and in the process booked trading losses while exiting from the dated Govt. securities. The current year's operating loss of Rs 68.67 crore was against the operating profit of Rs 73.27 crore of 2003-04. However the turnover increased from Rs 77,343 crore to Rs 1,19,005 crore during the fiscal 2004-05. Consequent to the operating loss, the Net worth of the Company came down from Rs 201.61 crore to Rs 133.42 crore but the Capital Adequacy Ratio improved to 122.64%, on account of lower portfolio held as on 31.3.2005.

21.2.1 The audited financial statements of CorpBank Homes Ltd. and CorpBank Securities Ltd. together with Auditors' Report for the year ended 31<sup>st</sup> March 2005 are annexed.

21.2.2 In terms of the guidelines of Reserve Bank of India the Bank has consolidated the financial accounts as at 31<sup>st</sup> March 2005 with those of its subsidiaries viz. CorpBank Homes Ltd. and CorpBank Securities Ltd.

### 21.3 Chikmagalur-Kodagu Grameena Bank [CHIKO Bank]

The Chikmagalur Kodagu Grameena Bank [CHIKO Bank], sponsored by the Bank has a network of 50 branches. The deposits of CHIKO Bank stood at Rs.105.39 crore and advances at Rs.85.77 crore as on 31.03.2005. All the staff of the Grameena Bank have been trained during the year. CHIKO Bank recorded a profit of Rs. 16.19 lakh for the year ended 31.03.2005.

## 22. Board of Directors

The following changes have taken place in the Board of Directors of the Bank for the period 2004-05.

22.1. Shri V.K.Chopra, has taken over as Chairman & Managing Director on 09.12.2004 vice Shri. K. Cherian